बिहार विद्यालय परीक्षा समिति

माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा

BIHAR STET

शिक्षण कला एवं अन्य दक्षता

माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा IX से XII) शिक्षक हेतु

अध्यायवार

सॉल्व्ड पेपर्स एवं प्रश्न बैंक

प्रधान सम्पादक
Anand K. Mahajan
लेखन सहयोग
परीक्षा विशेषज्ञ समिति
कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण त्रिपाठी, चरन सिंह एवं भूपेन्द्र मिश्रा
सम्पादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/ www.yctbooksprime.com
© All Rights Reserved with Publisher
Publisher Declaration
प्रकाशन घोषणा
प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने Printed by Digital से मुद्रित करवाकर,
वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।
इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है
फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव और सहयोग सादर अपेक्षित है।

₹ 595/-

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

INDEX

01.शिक्षण एवं अधिगम (Teaching & Learning).. 5-168

- शिक्षण एवं अधिगम–अर्थ प्रक्रिया एवं विशेषताएँ
  (Teaching & Learning –Meaning, Process & Characteristics) 5
- शिक्षण उद्देश्य एवं अनुदेशात्मक उद्देश्य (Teaching Objectives and Instructional Objectives :
  Meaning & Types, Blooms Taxonomy) 24
- शिक्षण विधियाँ : प्रकार एवं इसकी विशेषताएँ विधियों के गुण एवं दोष
  (Teaching Methods : Types and its Characteristics, Merit, and demerits of Methods) 48
- पाठ योजना : प्रकार एवं प्रारूप एवं विभिन्न मॉडल
  (Lesson Plan : Types and Format & Various Model) 63
- सूक्ष्म शिक्षण एवं अनुदेशात्मक विश्लेषण (Microteaching & Instructional Analysis)........................ 72
- कक्षा का प्रभावी पारिस्थितिकी तंत्र (Effective Ecosystem of Classroom) 80
- पाठ्यपुस्तक और पुस्तकालय (Textbook and Library) 95
- शिक्षक के गुण (Qualities of Teacher).. 99
- सीखाने के लिए मूल्यांकन और आकलन पाठयक्रम (Evaluation & Assessment for Learning)........................ 114
- पाठयक्रम (Curriculum) 133
- शिक्षण और सीखने को प्रभावित करने वाले कारक (Factors Affecting Teaching and Learning)........................ 144
- शिक्षण सहायक सामग्री और व्यावहारिक शिक्षण (Teaching Aids and Hands on Learning) 157

02. सामान्य ज्ञान (General Knowledge) 169-203

- इतिहास.. 169
- राजव्यवस्था.. 176
- भूगोल.. 179
- अर्थव्यवस्था.. 184
- विज्ञान.. 186
- सामान्य जागरूकता.. 195
- कम्प्यूटर.. 199
- बिहार विशेष.. 200
- सामयिकी.. 201

03. पर्यावरण (Enviroment).. 204-208

04. गणितीय अभिवृत्ति (Mathematical Aptitude) 209-243

- संख्या पद्धति (Number System) 209
- दशमलव भिन्नें (Decimal Fractions).. 214
- घातांक तथा करणी (Indices and Surds).. 215
- सरलीकरण (Simplification).. 215

- लघुत्तम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्तक (Lowest Common Multiple & Highest Common Factor)..................218
- प्रतिशतता (Percentage)..........220
- लाभ एवं हानि (Profit & Loss)..........223
- छूट (Discount)..........226
- अनुपात एवं समानुपात (Ratio & Proportion)..........227
- कार्य एवं समय (Work & Time)..........227
- मिश्रण (Alligation)..........228
- साधारण ब्याज (Simple Interest)..........229
- चक्रवृद्धि ब्याज (Compound Interest)..........230
- आयु सम्बन्धी प्रश्न (Problems Based on Age)..........231
- औसत (Average)..........232
- चाल, समय और दूरी (Speed, Time & Distance)..........234
- रेलगाड़ी (Train)..........235
- क्षेत्रमिति (Mensuration)..........236
- बीजगणित (Algebra)..........240
- त्रिकोणमिति (Trigonometry)..........240
- ज्यामिति (Geometry)..........243
- विविध (Miscellaneous)..........243

05. तार्किक तर्कशक्ति (Logical Reasoning)..........244-288

- सादृश्यता..........244
- कोडिंग-डिकोडिंग..........247
- वर्गीकरण..........255
- श्रृंखला..........259
- लुप्त पद/संख्या/आकृति..........266
- दिशा परीक्षण..........268
- रक्त संबंध..........271
- वेन आरेख..........278
- आरेख पर आधारित प्रश्न..........280
- क्रम व्यवस्था..........280
- रेखाओं एवं आकृतियों की गणना..........284
- अंकगणितीय संक्रियाएँ..........284
- कैलेण्डर..........289
- अंग्रेजी शब्दकोश..........287
- विविध..........287

Syllabus for Art of Teaching and Other Skills STET 2023

Unit II Art of Teaching, Other skills Marks 50

(A) Art of Teaching Marks 30

(B) Other skills Marks 20

A. Art of Teaching

B. Teaching & Learning:- Meaning, Process & Characteristics.

C. Teaching Objectives and Instructional objectives: Meaning & Types, Blooms Taxonomy.

D. Teaching Methods: - Types and its Characteristics, Merit, and demerits of Methods.

E. Lesson Plan: - Types and Format & Various Model.

F. Microteaching & Instructional analysis.

G. Effective ecosystem of Classroom.

H. Textbook and library

I. Qualities of Teacher.

J. Evaluation & Assessment for learning.

K. Curriculum.

L. Factors affecting teaching and learning.

M. Teaching Aids and Hands on learning.

B. Other skills

1. General Knowledge,

2.Environmental Science

3. Mathematical aptitude,

4.logical Reasoning

01.
शिक्षण एवं अधिगम (Teaching & Learning)

शिक्षण एवं अधिगम–अर्थ प्रक्रिया एवं विशेषताएँ (Teaching & Learning -Meaning, Process & Characteristics)

1. शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में निम्नलिखित में से कौन आश्रित चर हैं?

(a) छात्र (b) सिद्धांत
(c) शिक्षक (d) माता-पिता

Bihar STET 09/06/2024 (Shift-I)

Ans. (a) : शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में छात्र आश्रित चर है। इसका अर्थ है कि छात्र को सीखने की प्रक्रिया शिक्षक द्वारा निर्धारित विधियों, सामग्री और वातावरण पर निर्भर करती है।

2. निम्नलिखित में से कौन-सा ''सीखने का नियम'' है?

(a) प्रेरणा का नियम (b) व्यक्तिगत अंतर का कानून
(c) अभ्यास का नियम (d) कोई नहीं

Bihar STET 09/06/2024 (Shift-I)

Ans. (c) : अभ्यास का नियम ''सीखने का नियम'' है। यह थॉर्नडाइक के सीखने के नियमों में से एक है, जो बताता है कि किसी कार्य का बार-बार अभ्यास करने से सीखना मजबूत होता है।

3. कौन-सा शिक्षण सिद्धांत सीखने की प्रक्रिया में शिक्षार्थी की सक्रिय भागीदारी के लिए आधार के रूप में आंतरिक प्रेरणा के साथ अंतःक्रियात्मक सेटिंग में सहायता प्रदान करता है?

(a) वॉटसन का एस.आर. सिद्धांत
(b) स्किनर का पुनर्बलन सिद्धांत
(c) वायगोत्सकी का रचनावाद सिद्धांत
(d) कोहलर का अंतदृष्टि सिद्धांत

Bihar STET 21/05/2024 (Shift-I)
Bihar STET 09/06/2024 (Shift-I)

Ans. (c) : वायगोत्स्की का रचनावाद सिद्धांत सीखने की प्रक्रिया में शिक्षार्थी की सक्रिय भागीदारी के लिए आधार के रूप में आंतरिक प्रेरणा के साथ अंतः क्रियात्मक व्यवस्था में सहायाता प्रदान करता हैं। यह सिद्धांत सामाजिक अंतः क्रियाओं और सहयोगात्मक वातावरण के माध्यम से सीखने को बढ़ावा देता है, जिसमें आंतरिक प्रेरणा और संदर्भ आधारित सीखने की प्रक्रिया महत्वपूर्ण होती है।

4. सिद्धांत का मतलब है–

(a) नियमों का सख्ती से पालन किया जाए
(b) शिक्षार्थियों और अभिभावकों के लिए
(c) पर्यवेक्षकों और प्रशासकों के लिए
(d) हमारे सेवक बने, स्वामी नहीं

Bihar STET 09/06/2024 (Shift-I)

Ans. (a) : सिद्धान्त का अर्थ है- ऐसे नियम या दिशा-निर्देश जिसका सख्ती से पालन किया जाए। ये आधारभूत सत्य होते हैं, जो किसी कार्यप्रणाली, व्यवहार या विश्वास का मार्गदर्शन करते हैं। सिद्धांत किसी विषय की नींव होते हैं, जिनका अनुपालन व्यवस्था और निस्पादन सुनिश्चित करता है।

5. निम्नलिखित में से कौन सीखने के लिए एस.आर. कंडीशन पर जोर देता है?

(a) पॉवलाव (b) वॉटसन
(c) थॉर्नडाइक (d) इनमें सभी

Bihar STET 09/06/2024 (Shift-I)

Ans. (d) : एस.आर. (उद्दीपक-अनुक्रिया) कंडीशन पर जोर देने वाले सिद्धांत व्यवहारवादी दृष्टिकोण से संबंधित है। इनमें पावलॉव का 'शास्त्रीय अनुबंधन', वॉटसन का 'व्यवहारवाद' और थार्नडाइक का प्रयास व त्रुटि का सिद्धांत शामिल है। इन सभी मनोवैज्ञानिकों ने उद्दीपक और अनुक्रिया के बीच संबंध स्थापित करने के महत्व पर बल दिया है, जिससे सीखने की प्रक्रिया होती रहे।

6. पसंदीदा मूल्य प्रणाली के आधार पर जीवन शैली विकसित करने की क्षमता है–

(a) जवाब देना (b) मूल्य निर्धारण
(c) आयोजन करना (d) चरित्र-चित्रण

Bihar STET 09/06/2024 (Shift-I)

Ans. (d) : पसंदीदा मूल्य प्रणाली के आधार पर जीवन शैली विकसित करने की क्षमता को चरित्र-चित्रण कहा जाता है। यह वह प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपने नैतिक मूल्यों और विश्वासों के अनुसार अपने जीवन के सिद्धांतों और व्यवहारों को आकार देता है।

7. जो सीखने की विशेषता नहीं है-

(a) सीखना व्यवहार का संशोधन है।
(b) सीखना हमेशा सकारात्मक होता है।
(c) सीखना एक सतत प्रक्रिया है।
(d) सीखना विकास और समस्या को सुलझाने की एक प्रक्रिया है

Bihar STET 18/05/2024 (Shift-I)

Ans. (b) : सीखना हमेशा सकारात्मक होता है यह सीखने की विशेषता नहीं है क्योंकि सीखना सकारात्मक और नकारात्मक दोनों हो सकते है, जो बाद मे सुधार और विकास की ओर ले जाते हैं। हम अपने नकारात्मक अनुभवों से भी बहुत कुछ सीखते हैं। उदाहरण के लिए, अगर कोई छात्र परीक्षा में असफल हो जाता है, तो वह समझता है कि उसे कहाँ सुधार की जरूरत है।

8. शिक्षण में अनुभवी सदस्य अपरिपक्व व्यक्ति का मार्गदर्शन ………….. के लिए करते हैं।

(a) समय व्यतीत करने हेतु है।
(b) योग्यता हेतु
(c) जीवन की गुणवत्ता हेतु
(d) जीवन के समायोजन हेतु

Bihar STET 18/05/2024 (Shift-I)

Ans. (d) : शिक्षण केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं है, बल्कि यह शिक्षण को समाज में समायोजित करने की प्रक्रिया भी है। एक अनुभवी व्यक्ति, अपरिपक्व व्यक्ति का मार्गदर्शन जीवन की चुनौतियों को समझने, समस्याओं का समाधान करने और सामाजिक व्यवहार को अपनाने में सहायता करता है, जिससे वह जीवन में बेहतर समायोजन कर सके।

9. **मनोविश्लेषण सिद्धांत के अनुसार विचलित व्यवहार किसके कारण होता है?**
(a) उसमें सक्रिय अचेतन मन
(b) व्यक्ति की दमित इच्छाएँ
(c) दोनों 'उसमें सक्रिय अचेतन मन' और व्यक्ति की दमित इच्छाएँ
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Bihar STET 18/05/2024 (Shift-I)

Ans. (c) : सिगमंड फ्रायड के मनोविश्लेषण सिद्धांत के अनुसार विचलित व्यवहार का कारण व्यक्ति के अचेतन मन में सक्रिय दमित इच्छाएँ होती है। जब ये इच्छाएँ नियंत्रित नहीं होती तो मानसिक असंतुलन उत्पन्न होता है जिससे व्यक्ति का व्यवहार असामान्य हो सकता है।

10. **इसमें से किसे शिक्षण का निम्नतम स्तर भी कहा जाता है?**
(a) स्मृति स्तर (b) समझ का स्तर
(c) चिंतनशील स्तर (d) अंतः निरीक्षणात्मक

Bihar STET 24/05/2024 (Shift-I)

Ans. (a) : स्मृति स्तर को शिक्षण का निम्नतम स्तर माना जाता है, क्योंकि इसमें केवल तथ्यों, सूचनाओं या अवधारणाओं को रटने पर जोर दिया जाता है। बिना गहरी समझ या विश्लेषण के यह स्तर याद करने तक ही सीमित होता है।

11. **तर्कसंगत ज्ञान का तात्पर्य है-**
(a) अवलोकन और अनुभव
(b) क्रिया और प्रदर्शन
(c) थोड़ा अमूर्त ओर तर्कपूर्ण दृष्टिकोण
(d) उपलब्धि और सिद्धि

Bihar STET 24/05/2024 (Shift-I)

Ans. (c) : तर्कसंगत ज्ञान का अर्थ है- तर्क और विवेक के आधार पर प्राप्त ज्ञान। यह अमूर्त (Abstract) और विश्लेषणात्मक होता है, जो केवल अनुभव या अवलोकन से परे होकर तार्किक चिंतन पर आधारित होता है।

12. **शिक्षण का सर्वाधिक अपेक्षित तात्कालिक परिणाम है-**
(a) छात्रों के व्यवहार में वांछनीय दिशा में परिवर्तन।
(b) छात्रों के समग्र व्यक्तित्व का विकास।
(c) छात्रों का चरित्र निर्माण।
(d) उपयुक्त नौकरी के लिए चयन होना।

Bihar STET 24/05/2024 (Shift-I)

Ans. (a) : शिक्षण का तात्कालिक उद्देश्य छात्रों के व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। यह परिवर्तन ज्ञान, समझ, कौशल या दृष्टिकोण के रूप में हो सकता है। अन्य विकल्प जैसे समग्र व्यक्तित्व विकास, चरित्र निर्माण और नौकरी के लिए चयन दीर्घकालिक परिणाम हो सकते हैं, जबकि तात्कालिक परिणाम व्यवहार परिवर्तन से ही देखा जा सकता है।

13. **मनोवैज्ञानिक आधार के लिए जानकारी के क्षेत्र/स्रोत हैं-**
(a) सीखने की प्रक्रिया (b) शिक्षण विधि
(c) छात्रों की विशेषताओं (d) ये सभी

Bihar STET 22/05/2024 (Shift-I)

Ans. (d) : मनोवैज्ञानिक आधार के लिए जानकारी के प्रमुख स्रोतों में सीखने की प्रक्रिया (बच्चों की सीखने की क्षमता), शिक्षण विधियाँ (शिक्षण के मनोवैज्ञानिक तरीके) और छात्रों की विशेषताएँ (बाल विकास एवं व्यक्तित्व) शामिल हैं। ये तीनों ही शिक्षा के मनोवैज्ञानिक पक्ष को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

14. **सीखना एक स्वाभाविक क्रिया है-**
(a) शिक्षार्थी का (b) शिक्षक का
(c) व्यक्ति का (d) जीवित जीव का

Bihar STET 22/05/2024 (Shift-I)

Ans. (d) : सीखना केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सभी जीवित प्राणियों की मूलभूत क्षमता है। जानवरों से लेकर मनुष्यों तक सभी अपने पर्यावरण के साथ अनुकूलन और जीवित रहने के लिए स्वाभाविक रूप से सीखते हैं। यह एक सार्वभौमिक जैविक प्रक्रिया है, जो जीवन को बनाए रखने में मदद करती है।

15. **निम्नलिखित में से कौन-सा कक्षा शिक्षण में बुनियादी प्रतिमान है?**
(a) सीखने का प्रतिमान (b) निर्देशात्मक प्रतिमान
(c) दोनों सीखने का प्रतिमान और निर्देशात्मक प्रतिमान
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Bihar STET 23/05/2024 (Shift-II)

Ans. (c) : कक्षा शिक्षण में बुनियादी प्रतिमान दोनों सीखने का प्रतिमान और निर्देशात्मक प्रतिमान है। सीखना छात्रों के अनुभव और ज्ञान के निर्माण पर केन्द्रित है, जबकि निर्देशात्मक प्रतिमान शिक्षक द्वारा जानकारी देने और कौशल सिखाने पर केन्द्रित है। सफल शिक्षण में दोनों का संतुलन आवश्यक है।

16. **सूची-I को सूची-II से सुमेलित करें–**

सूची-I (शिक्षण का स्तर)	सूची-II (मुख्य प्रस्तावक)
A. स्मृति	I. हर्बर्ट
B. समझ स्तर	II. मॉरिसन
C. रिफ्लेक्टिव लेवल	III. हंट

(a) A-I, B-II, C-III (b) A-I, B-III, C-II
(c) A-II, B-III, C-I (d) A-II, B-I, C-III

Bihar STET 23/05/2024 (Shift-II)

Ans. (a) : शिक्षण स्तरों और उनके प्रस्तावकों का सूचियों में सही मिलान इस प्रकार है–

सूची-I (शिक्षण का स्तर)	**सूची-II (मुख्य प्रस्तावक)**
स्मृति स्तर	हर्बर्ट (तथ्यों और सूचनाओं को रटने पर बल दिया)
समझ स्तर	मॉरिसन (अवधारणाओं की गहन समझ पर जोर)
रिफ्लेक्टिव स्तर	हंट (आलोचनात्मक चिंतन और समस्या समाधान को प्राथमिकता)

17. **एक शिक्षार्थी का विकास किससे जुड़ा हुआ है?**
(a) प्रभावी विकास (b) संज्ञानात्मक विकास
(c) मनोगत्यात्मक विकास (d) संवेदी पेशीय विकास

Bihar STET 21/05/2024 (Shift-I)

Ans. (b) : एक शिक्षार्थी का विकास मुख्य रूप से संज्ञानात्मक विकास से जुड़ा हुआ होता है इसमें व्यक्ति की सोचने, समझने, समस्या सुलझाने और ज्ञान अर्जित करने की क्षमता में वृद्धि शामिल होता है।
संज्ञानात्मक विकास मानसिक प्रक्रियाओं जैसे सोच, समझ, सीखने और समस्याओं को सुलझाने की क्षमताओं का विकास है।

18. **छात्रों को पढ़ाई के लिए प्रेरित करने हेतु निम्नलिखित में से कौन-सी जानकारी महत्वपूर्ण है?**
(a) सीखने की शैली (b) व्यक्तित्व
(c) सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि (d) सभी

Bihar STET 21/05/2024 (Shift-I)

Ans. (d) : छात्रों की पढ़ाई के लिए प्रेरित करने हेतु उनकी सीखने की शैली, व्यक्तित्व और सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को समझना शिक्षकों को प्रभावी शिक्षण रणनीतियाँ बनाने और एक सहायक सीखने का माहौल प्रदान करने में मदद करता है। इन सभी कारकों पर विचार करके छात्रों की प्रेरणा बढ़ाई जा सकती है।

19. अनुभवजन्य ज्ञान वह है जिसे विद्यार्थी प्राप्त करता है–

(a) पढ़ना (b) कल्पना
(c) शिक्षक का व्याख्यान (d) उसका अपना अवलोकन

Bihar STET 21/05/2024 (Shift-I)

Ans. (d) : अनुभवजन्य ज्ञान वह ज्ञान है जो व्यक्ति अपने प्रत्यक्ष अवलोकन, अनुभव और प्रयोगों के माध्यम से प्राप्त करता है। यह ज्ञान स्थायी और प्रभावशाली होता है क्योंकि इसमें विद्यार्थी सक्रिय रूप से शामिल होता है। शिक्षक की व्याख्या या पाठ्यपुस्तक की अपेक्षा स्वयं के अवलोकन से प्राप्त ज्ञान अधिक सजीव और व्यावहारिक होता है।

20. आप किन तरीकों से कहानी का कथानक बदल सकते हैं? क्या यह प्रश्न .... है?

(a) संश्लेषण (b) बोध
(c) ज्ञान (d) अनुप्रयोग

Bihar STET 25/05/2024 (Shift-I)

Ans. (a) : कहानी का कथानक बदलना एक रचनात्मक प्रक्रिया है जिसमें मौजूदा तत्वों (जैसे पात्र, सेटिंग, घटनाएं) को नए तरीकों से संयोजित करके एक नया कथानक का परिणाम बनाना शामिल है। यह ब्लूम के वर्गीकरण के अनुसार 'संश्लेषण' (Synthesis) के स्तर पर आता है, जहाँ आप विभिन्न विचारों और तत्वों को मिलाकर कुछ नया और अद्वितीय बनाते हैं। यह केवल समझने (बोध), या लागू करने (अनुप्रयोग) से परे है।

21. Pre-active phase of teaching includes
शिक्षण के पूर्व-सक्रिय चरण में शामिल हैं

(a) feedback and reinforcement
पुनर्बलन और प्रतिपुष्टि
(b) sizing up of the class/कक्षा का आकार बढ़ाना
(c) presentation of stimuli/उत्तेजनाओं की प्रस्तुति
(d) decision about the strategies of teaching
शिक्षण की रणनीतियों के बारे में निर्णय

Bihar STET 19/06/2024

Ans. (d) : फिलिप डब्ल्यू जैक्शन के अनुसार, शिक्षण के तीन चरण पूर्व सक्रिय, अंतः क्रियात्मक और उत्तर-सक्रिय हैं।
पूर्व-सक्रिय अवस्था में निम्नलिखित कार्य शामिल है :

- प्रवेश-स्तर की दक्षता का मूल्यांकन
- अधिगम के उद्देश्यों की परिभाषा
- रणनीतियों के बारे में निर्णय
- विषयवस्तु और सहायक विचारों की जाँच करना
- अधिगम के विभिन्न तरीकों को परिभाषित करना

22. The reason for the prevalence of dogmas and immoral customs in the society is
समाज में रूढ़िवादिता एवं अनैतिक रीति-रिवाजों के प्रचलन का कारण है।

(a) poverty /गरीबी
(b) caste system and difference in class
जाति व्यवस्था और वर्ग में अंतर
(c) lack of awareness and illiteracy
जागरुकता की कमी और अशिक्षा
(d) religious fundamentalism /धार्मिक कट्टरवाद

Bihar STET 29/05/2024 (Shift-I)

Ans. (c) : समाज में रूढ़िवादिता एवं अनैतिक रीति-रिवाजों के प्रचलन का कारण जागरुकता की कमी और अशिक्षा है। शिक्षा की कमी के कारण लोग रूढ़िवादी विचारों को स्वीकार करने के लिए अधिक संवेदनशील होता हैं। उन्हें आधुनिकता और परिवर्तन के बारे में सही जानकारी नहीं होती है, जिससे वे पुराने और अनैतिक रीति-रिवाजों को जारी रखने के लिए प्रेरित होते हैं।

23. Which of the following is not considered approach in teaching learning process?
निम्नलिखित में से कौन-सा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में दृष्टिकोण नहीं माना जाता है?

(a) Conceptual /वैचारिक
(b) Integrated /एकीकृत
(c) Autocratic /निरंकुश
(d) Process /प्रक्रिया

Bihar STET 29/05/2024 (Shift-I)

Ans. (c) : शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में विभिन्न दृष्टिकोणों का उपयोग किया जाता है। ये हैं– संकल्पनात्मक या वैचारिक दृष्टिकोण, प्रक्रिया दृष्टिकोण, एकीकृत दृष्किोण और गतिविधि दृष्टिकोण। अतः निरंकुश दृष्टिकोण इससे संबंधित नहीं हैं।

24. What are the key concepts of problem based learning?/समस्या आधारित शिक्षा की प्रमुख अवधारणाएँ क्या हैं?

(a) class activities are constructed around a problem/कक्षा की गतिविधियाँ एक समस्या के इर्द-गिर्द निर्मित होती हैं
(b) students have to take initiatives to enquire and learn /छात्रों को पूछताछ करने और सीखने की पहल करनी होगी।
(c) students are empowered to take a responsible role in their learning/छात्रों को अपनी शिक्षा में एक जिम्मेदार भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाया जाता है
(d) All of these/इनमें सभी

Bihar STET 29/05/2024 (Shift-I)

Ans. (d) : समस्या आधारित शिक्षा की प्रमुख अवधारणाएँ :
समस्या आधारित शिक्षा (Problem-Based Learning) की प्रमुख अवधारणाएँ हैं :
(a) कक्षा की गतिविधियाँ एक समस्या के इर्द-गिर्द निर्मित होती हैं,
(b) छात्रों को पूछताछ करने और सीखने की पहल करनी होगी,
(c) छात्रों को अपनी शिक्षा में एक जिम्मेदार भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाया जाता है।

25. Which one is accountable in cooperative learning
सहयोगात्मक अधिगम में कौनसा उत्तरदायी है?

(a) Individual/व्यक्तिगत
(b) Group/समूह
(c) Both Individual & Group
व्यक्तिगत और समूह दोनों
(d) None of these /इनमें से कोई नहीं

Bihar STET 29/05/2024 (Shift-I)

Ans. (c) : सहयोगात्मक अधिगम में व्यक्तिगत और समूह दोनों उत्तरदायी हाते हैं।
सहयोगात्मक अधिगम में, प्रत्येक सदस्य अपने स्वयं के सीखने और समूह में योगदान के लिए जिम्मेदार होता है, जिससे सभी सदस्य सक्रिय रूप से भाग लेते हैं और समूह के लक्ष्यों में योगदान करते हैं।

26. Teaching and Learning are the twin _________ involved in the total educative process.
"शिक्षण और सीखना समग्र शैक्षिक प्रक्रिया में शामिल जुड़वाँ __________ हैं।"

(a) Process/प्रक्रिया (b) Purpose/उद्देश्य
(c) Activities/गतिविधियाँ (d) Patterns/भागीदारी

Bihar STET 16/06/2024 (Shift-III)

Ans. (c) : शिक्षण और सीखना शैक्षिक प्रक्रिया में शामिल जुड़वा गतिविधियाँ हैं। ये दोनों एक दूसरे से गहराई से जुड़े हैं और विभिन्न कार्यों तथा अभ्यासों के माध्यम से ही संभव हो पाते है। बिना गतिविधियों के न तो सिखाया जा सकता है और न ही सीखा जा सकता है।

27. Which of the following is also called lowest level of teaching?/इनमें से किसे शिक्षण का निम्नतम स्तर भी कहा जाता है?

(a) Memory level/स्मृति स्तर
(b) Understanding level/समझ का स्तर
(c) Reflective level/चिंतनशील स्तर
(d) Introspective/अंतः निरीक्षणात्मक

Bihar STET 16/06/2024 (Shift-II)

Ans. (a) : स्मृति स्तर को शिक्षण का निम्नतम स्तर कहा जाता हैं इसमें विद्यार्थी केवल जानकारी को याद करते है, बिना उसकी गहराई से समझ के यह स्तर रटने पर आधारित होता है,जिससे आधारभूत ज्ञान विकसित किया जा सके। यह सीखने की पहली सीढ़ी है।

28. Modern educationists suggest that the process of teaching must be
आधुनिक शिक्षाशास्त्रियों का सुझाव है कि शिक्षण की प्रक्रिया अवश्य होनी चाहिए

(a) dull/सुस्त
(b) clumsy/नियंत्रण करने में कठिनाई उत्पन्न करने वाला
(c) creative and entertaining/रचनात्मक और मनोरंजक
(d) unimaginative/अकल्पनीय

Bihar STET 16/06/2024 (Shift-III)

Ans. (c) : आधुनिक शिक्षाशास्त्रियों का सुझाव है कि शिक्षण की प्रक्रिया 'रचनात्मक और मनोरंजक' होनी चाहिए। यह छात्रों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करती है, सीखने को प्रेरणादायक बनाती है, और उन्हें विषयों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करती है। रचनात्मकता और मनोरंजन छात्रों में जिज्ञासा जगाते है, जिससे वे ज्ञान को प्रभावी ढंग से ग्रहण कर पाते है।

29. Teaching learning process is a journey from -
शिक्षण अधिगम प्रक्रिया एक यात्रा है।

(a) Concrete to abstract /मूर्त से अमूर्त
(b) Known to unknown /ज्ञात से अज्ञात
(c) Simple to complex/सरल से जटिल
(d) All /सभी

Bihar STET 08/09/2023 (Shift-I)
Bihar STET 13/09/2023 (Shift-I)
Bihar STET 18/05/2024 (Shift-II)

Ans. (d) : शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया एक व्यवस्थित यात्रा है जो मूर्त से अमूर्त, ज्ञात से अज्ञात और सरल से जटिल सिद्धातों पर आधारित है। यह विधि छात्रों को आसानी से समझने, ज्ञान के बढ़ाने और कठिन अवधारणाओं तक पहुँचने में मदद करती है। इसलिए विकल्प (d) अभीष्ट उत्तर होगा।

30. Basic education should be
बुनियादी शिक्षा होनी चाहिए।

(a) Student oriented /छात्र उन्मुख
(b) activity oriented /गतिविधि उन्मुख
(c) project oriented /परियोजना उन्मुखी
(d) All of these /ये सभी।

Bihar STET 18/05/2024 (Shift-III)

Ans. (d) : बुनियादी शिक्षा प्रभावी बनाने के लिए छात्र-केन्द्रित, गतिविधि आधारित और परियोजना आधारित तीनों दृष्टिकोण जरूरी हैं। छात्र उन्मुख शिक्षा व्यक्तिगत जरूरतों पर ध्यान देती है, गतिविधि-आधारित शिक्षा व्यावहारिक अनुभव देती है, जबकि परियोजना आधारित शिक्षा समस्या समाधान कौशल विकसित करती है। तीनों का संयोजन संपूर्ण शिक्षा प्रदान करता है।

31 Each learning outcome should begin with:
प्रत्येक सीखने का परिणाम इससे शुरू होना चाहिए।

(a) A learning verb /एक सीखने वाली क्रिया
(b) An action verb /एक गतिविधि सूचक क्रिया
(c) An outcome verb /एक परिणाम क्रिया
(d) Any verb /कोई क्रिया

Bihar STET 18/05/2024 (Shift-III)

Ans. (b) : सीखने का परिणाम यह बताता है कि छात्र क्या करने में सक्षम होगा। यह हमेशा गतिविधि सूचक क्रिया से शुरू होना चाहिए, जैसे- समझता है, लिखता है, पहचानता है। इससे शिक्षक को मूल्यांकन करने में आसानी होती है और उद्देश्य स्पष्ट होता है कि छात्र ने क्या सीखा।

32. Which among the following is a "Law of Learning"?
निम्नलिखित मे से कौन-सा "सीखने का नियम" है?

(a) Law of motivation/प्रेरणा का नियम
(b) The Law of individual difference
व्यक्तिगत अंतर का कानून
(c) Law of exercise/अभ्यास का नियम
(d) None/कोई नहीं

Bihar STET 14/06/2024 (Shift-III)

Ans. (c) : सीखने के मुख्य नियमों में से एक अभ्यास का नियम है। यह नियम बताता है कि किसी कार्य या व्यवहार का जितना अधिक अभ्यास किया जाता है, उतना ही मजबूत होता है और सीखना उतना ही प्रभावी होता है।

33. How can a teacher enhance effective learning in her elementary classroom?
एक शिक्षिका अपनी प्रारंभिक कक्षा में प्रभावी शिक्षण को कैसे बढ़ा सकती है?

(a) By connecting the context to the lives of the students/सन्दर्भ को विद्यार्थियों के जीवन से जोड़कर
(b) By drill and practice/प्रशिक्षण और अभ्यास द्वारा
(c) By encouraging competition
प्रतिस्पर्द्धा को प्रोत्साहित करके
(d) None of these/इनमें से कोई नहीं

Bihar STET 14/06/2024 (Shift-III)

Ans. (a) : "संदर्भ को विद्यार्थियों के जीवन से जोड़कर"
एक शिक्षिका अपनी प्रारंभिक कक्षा में प्रभावी शिक्षण तभी कर सकती है जब वह विषयवस्तु को विद्यार्थियों के जीवन से जोड़ती है। इससे बच्चे आसानी से समझ पाते है और सीखना उनके लिए अर्थपूर्ण हो जाता है। यह शिक्षण को रोचक और प्रभावशाली बनाती है।

34. The most expected immediate outcome of teaching is-
शिक्षण का सर्वाधिक अपेक्षित तात्कालिक परिणाम है-

(a) Changes in the behavior of students in a desirable direction./छात्रों के व्यवहार में वांछनीय दिशा में परिवर्तन।
(b) Development of total personality of students. छात्रों के समग्र व्यक्तित्व का विकास।
(c) Building characters of the students. छात्रों का चरित्र निर्माण।
(d) Getting selected for a suitable job. उपयुक्त नौकरी के लिए चयन होना।

Bihar STET 14/06/2024 (Shift-III)

Ans. (a) : शिक्षण का सर्वाधिक अपेक्षित तात्कालिक परिणाम छात्रों के व्यवहार में वांछनीय परिवर्तन लाना है। शिक्षण का उद्देश्य छात्रों को ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण प्राप्त करने में मदद करना है, जिससे उनके व्यवहार में सकारात्मक बदलाव आए। यह परिवर्तन ज्ञान प्राप्त करने, नई क्षमताओं को विकसित करने या मौजूदा दृष्टिकोणों को संशोधित करने के रूप में शिक्षण के तुरंत बाद छात्रों में कुछ सीखने या समझने का प्रमाण दिखना चाहिए।

35. Teaching theories give/शिक्षण सिद्धांत देते हैं

(a) knowledge of assumptions and principles to teachers by studying the effects of independent variables on dependent one/निर्भर पर स्वतंत्र चर के प्रभावों का अध्ययन करके शिक्षकों को मान्यताओं और सिद्धांतों का ज्ञान
(b) knowledge about different levels of teaching and models of teaching concurrent to it. शिक्षण के विभिन्न स्तरों और उसके समवर्ती शिक्षण मॉडलों के बारे में ज्ञान
(c) knowledge about how to investigate teaching problems and how to solve them शिक्षण समस्याओं की जाँच कैसे करे और उन्हें कैसे हल करें, इसके बारे में ज्ञान
(d) All of these/इनमें सभी

Bihar STET 14/06/2024 (Shift-III)

Ans. (d) : शिक्षण सिद्धांत सीखने की प्रक्रिया को समझने और प्रभावी ढंग से पढ़ाने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करते हैं। शिक्षण सिद्धांत देते हैं:
- निर्भर पर स्वतंत्र चर के प्रभावों का अध्ययन करके शिक्षकों को मान्यताओं और सिद्धांतों का ज्ञान
- शिक्षण के विभिन्न स्तरों और उसके समवर्ती शिक्षण मॉडलों के बारे में ज्ञान है।
- शिक्षण समस्याओं की जाँच कैसे करे और उन्हें कैसे हल करें, इसके बारे में ज्ञान।

36. Learner-centered learning leads to ________
शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा ______ की ओर ले जाती है

(a) holistic development/समग्र विकास
(b) enhanced activity/विकसित गतिविधि
(c) loss of interest/रूचि की कमी
(d) none of these/इनमें से कोई नहीं

Bihar STET 19/05/2024 (Shift-II)

Ans. (a) : शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा समग्र विकास की ओर ले जाती है। यह छात्रों की आवश्यकताओं, रूचियों और क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे वे सक्रिय रूप से सीखने की प्रक्रिया में शामिल होते हैं। यह विधि केवल अकादमिक ज्ञान तक ही सीमित नहीं रहती बल्कि छात्रों के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक पहलुओं के विकास में भी सहायक होती है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होता है।

37. On which of the following does the success of a teaching process depend?/शिक्षण प्रक्रिया की सफलता निम्नलिखित में से किस पर निर्भर करती है?

(a) How well the teacher understands the physical needs of the students/शिक्षक छात्रों की शारीरिक आवश्यकताओं को कितनी अच्छी तरह समझता है
(b) How well the teacher understands the pedagogical needs of the students/शिक्षक छात्रों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को कितनी अच्छी तरह समझता है
(c) How well the teacher teaches the students शिक्षक विद्यार्थियों को कितनी अच्छी तरह पढ़ाते हैं
(d) None of these/इनमें से कोई नहीं

Bihar STET 19/05/2024 (Shift-II)

Ans. (b) : शिक्षण प्रक्रिया की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि शिक्षक छात्रों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को कितनी अच्छी तरह समझता है। जब एक शिक्षक छात्रों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को समझता है, तो वह प्रभावी ढंग से पढ़ा सकता है और छात्रों को बेहतर सीखने में मदद कर सकता है।

38. Gestalt psychologists proved that
गेस्टाल्ट मनोवैज्ञानिकों ने इसे सिद्ध किया है

(a) the child perceives the object as a whole and then its parts/बच्चा वस्तु को समग्र रूप में देखता है और फिर उसके हिस्सों को
(b) the child gains knowledge about the 'parts' first and then about the 'whole'/बच्चा पहले 'भागों' के बारे में ज्ञान प्राप्त करता है और फिर 'संपूर्ण' के बारे में
(c) part learning is more meaningful because the material to be learnt makes sense /आंशिक रूप से देखना अधिक सार्थक है क्योंकि सीखी जाने वाली विषय वस्तु समझ में आती है
(d) part learning should be followed by whole approach/आंशिक शिक्षण के बाद संपूर्ण दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए

Bihar STET 19/05/2024 (Shift-III)

Ans. (a) : गेस्टाल्ट मनोवैज्ञानिकों ने यह सिद्ध किया है कि बच्चा किसी भी वस्तु या स्थिति को पहले समग्र रूप (whole) में देखता है, और उसके बाद ही उसके अलग-अलग हिस्सों (parts) पर ध्यान केंद्रित करता है। उनका सिद्धांत "संपूर्ण अंशों के योग से अधिक होता है।" (the whole is greater than the sum of its parts) पर आधारित है। वे मानते हैं कि मानव मस्तिष्क चीजों को टुकड़ों में नहीं, बल्कि एक अर्थपूर्ण और संगठित इकाई के रूप में समझने की प्रवृत्ति रखता है।

39. **Which of the following is not a prescribed level of teaching?**
इनमें से कौन शिक्षण का एक निर्धारित स्तर नहीं है?
(a) Memory/स्मृति
(b) Understanding/समझ
(c) Reflective/चिंतनशील
(d) Differentiation/विभेदीकरण

Bihar STET 18/09/2020 (Shift-II)
Bihar STET 19/05/2024 (Shift-III)
Bihar STET 15/09/2020 (Shift-II)

Ans. (d) : शिक्षण के तीन मुख्य स्तर है : स्मृति स्तर, समझ स्तर, और चिंतनशील स्तर। ये स्तर सीखने की प्रक्रिया की बढ़ती जटिलता को दर्शाते हैं। इसलिए, विभेदीकरण शिक्षण का एक निर्धारित स्तर नहीं है, बल्कि यह शिक्षण की एक रणनीति या अवधारणा हो सकती है।

40. **गतिसंवेदी शिक्षण है-**
(a) तार्किक अधिगम (b) शारीरिक अधिगम
(c) श्रवण अधिगम (d) संगीतात्मक अधिगम

Bihar STET 05/09/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : गति संवेदी शिक्षण का संबंध शारीरिक अधिगम से है। इस प्रकार की शिक्षा में शारीरिक गतिविधियों और संवेदनाओं के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया शामिल होती है। काइनेस्टिक लर्निंग एक सीखने की शैली है जहाँ व्यक्ति शारीरिक गतिविधि और जुड़ाव के माध्यम से सबसे अच्छी तरीके से सीखते हैं।

41. **शिक्षण में स्वतंत्र चर है-**
(a) शिक्षक (b) शिक्षार्थी
(c) सामग्री (d) शिक्षण विधि

Bihar STET 05/09/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : 'अध्यापक' अथवा 'शिक्षक' ही स्वतंत्र चर है। शिक्षण की प्रक्रिया को वही नियोजित करता है। वह इसे अपने नियंत्रण में रखकर विद्यार्थियों के व्यवहार में निरन्तर परिवर्तन लाने की कोशिश करता है। विद्यार्थी अध्यापक द्वारा बताए गए आदेशों को मानकर उनका पालन करते हैं क्योंकि समुचित शिक्षण प्रक्रिया अध्यापक के नियंत्रण में रहती है। इसलिए इसे स्वतंत्र चर कहा गया है। जबकि विद्यार्थी को आश्रित चर कहा जाता है और पाठ्यक्रम, शिक्षण सामग्री, शिक्षण साधन तथा शिक्षण विधियों को मध्यस्थ चर की संज्ञा दी जाती है।

42. **स्वायत्त अधिगम**
(a) ज्ञान स्व प्रयास से (b) शिक्षक के प्रयास से
(c) परिवार के प्रयास से (d) समाज के प्रयास से

Bihar STET 13/09/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : स्वायत्त अधिगम 'ज्ञान स्व प्रयास से' होती है। कक्षा में शिक्षक स्वायत्त अधिगम को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए विशिष्ट कार्य निर्धारित कर सकता है। जिसमें आपको अपने लक्ष्यों पर विचार करना होता है ताकि आप अधिगम की प्रक्रिया के लिए अपने लक्ष्य को निर्धारित कर सकें। इस स्वायत्त अधिगम में शिक्षार्थी स्वायत्तता की अवधारणा महत्त्वपूर्ण होती है जो शिक्षार्थियों की अपनी सीखने की यात्रा पर नियंत्रण रखने की क्षमता का वर्णन करती है।

43. **अधिगम को प्रभावित करने वाले मनोवैज्ञानिक कारक है-**
(a) शिक्षक का वेतन (b) विषय की प्रकृति
(c) छात्रों की जाति (d) छात्रों की रूचि

Bihar STET 08/09/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : छात्रों की रुचि अधिगम को प्रभावित करने वाला मनोवैज्ञानिक कारक है। अधिगम एक व्यापक प्रक्रिया है, ऐसे अनेक कारक हैं जो अधिगम को प्रभावित करते है -
(1) पर्यावरणीय कारक
(2) व्यक्तिगत कारक
पर्यावरणीय कारक उन सभी बाहरी कारकों के संयोजन को संदर्भित करती है जो सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करती है जबकि व्यक्तिगत कारक के अन्तर्गत ज्यादातर भावनाएँ शामिल होती है।

44. **क्लासिकल कंडीशनिंग है ?**
(a) साहचर्य अधिगम (b) स्वायत्त अधिगम
(c) सहायक अधिगम (d) सहयोगात्मक अधिगम

Bihar STET 08/09/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : क्लासिकल कंडीशनिंग साहचर्य अधिगम है। क्लासिकल कंडीशनिंग सहयोगी अधिगम अथवा साहचर्य अधिगम का एक रूप है जो एक प्रकार की सीख है जिसमें दो उत्तेजनाओं का जुड़ाव शामिल होता है। क्लासिकल कंडीशनिंग को शास्त्रीय कंडीशनिंग के नाम से भी जाना जाता है। इवान पावलाव द्वारा खोजी गई क्लासिकल कंडीशनिंग एक मनोवैज्ञानिक अवधारणा है, जिसमें साहचर्य अधिगम शामिल है।

45. **इनमें से कौन शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का चरण नहीं है?**
(a) कुछ नया करने को सीखना(b) क्रियात्मक अवस्थाएँ
(c) प्रवाह (d) अभिग्रहण

Bihar STET 09/09/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के निम्न चरण है -
* लक्ष्य या उद्देश्य- इसके अंतर्गत लक्ष्य निर्धारण आता है।
* अग्रिम सेट (ध्यान आकर्षित करना) - यह चरण पिछले पाठ के बारे में एक नई बात शुरू करते हुए वर्तमान ज्ञान को पूर्व ज्ञान से जोड़ने से संबंधित है।
* इनपुट
* प्रतिमान (मॉडलिंग)
* निर्देशित अभ्यास
* समझ के लिए परीक्षण
* स्वतंत्र अभ्यास
* समापन

46. **अवधारणा निर्माण को प्रक्रिया में कौन सा तत्व शामिल नहीं है-**
(a) अनुभव (b) सामान्यीकरण
(c) विश्लेषण (d) मूर्त

Bihar STET 09/09/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : वह प्रक्रिया जिसके द्वारा हम उस सुविधा की खोज करते है जो बड़ी संख्या में वस्तुओं के लिए 'सामान्य' हैं और उन्हें एक ऐसे प्रतीक के साथ जोड़ते है जो उसके बाद अन्य समान वस्तुओं पर लागू हो सकता है अवधारणा निर्माण कहलाती है। अवधारणा निर्माण की प्रक्रिया में निम्न तत्व शामिल है-
* अवलोकन/अनुभव
* सामान्यीकरण
* विश्लेषण/वर्गीकरण
* अमूर्तता

47. **शिक्षण हेतु मानसिक उद्वेलन प्रतिमान का प्रयोग निम्न में से किसके सुधार हेतु किया जाता है?**
(a) समझ (b) अनुप्रयोग
(c) सृजनात्मकता (d) समस्या समाधान

Bihar STET 09/09/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : शिक्षण हेतु मानसिक उद्वेलन प्रतिमान का प्रयोग सृजनात्मकता में सुधार हेतु किया जाता है। मस्तिष्क उद्वेलन विधि ओसबर्न द्वारा विकसित की गई है। यह सृजनात्मक सोच को उद्दीपित करने के लिए सबसे पुरानी और सबसे प्रसिद्ध तकनीक है। यह जटिल और महत्वपूर्ण समस्याओं को हल करने के लिए सबसे उपयोगी तरीका है।

48. हर्बर्ट अधिगम में एक चरण है

(a) विभेदन (b) वर्गीकरण
(c) संबंध (d) दिशानिर्देश

Bihar STET 09/09/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : पाठ योजना की पाँच चरणों वाली प्रणाली की शुरूआत जर्मन मनोवैज्ञानिक जे. फ्रेडरिक हर्बर्ट ने की थी। पाठ योजना की उनकी पाँच-चरण प्रणाली में तैयारी, प्रस्तुति, संबंध, सामान्यीकरण और अनुप्रयोग सहित पाँच अलग-अलग चरण शामिल हैं। अतः (c) सही विकल्प है।

49. दत्त पद्धति शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में महत्वपूर्ण चरण है, यह किसने कहा?

(a) डग्लस ने (b) डीवी में
(c) पियाजे ने (d) मोरिस ने

Bihar STET 09/09/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : दत्तकार्य पद्धति एक व्यावहारिक अनुप्रयोग है जिसका उपयोग शिक्षकों द्वारा छात्रों को कार्य परियोजना या गतिविधियाँ सौंपने के लिए किया जाता है।
दत्तकार्य पद्धति को शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण चरण के रूप में हरलान उपम डग्लस (1888-1979) को श्रेय दिया जाता है जो कि अमेरिकी शैक्षिक दार्शनिक और सुधारक थे।

50. विद्यालय में लक्ष्य और उद्देश्य का महत्व है

(a) विषय वस्तु की पहचान के लिए
(b) शिक्षक के कार्यों की पहचान के लिए
(c) प्रधानाध्यापक के कार्यों की पहचान के लिए
(d) कोई भी नहीं

Bihar STET 09/09/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : विषय वस्तु की पहचान विद्यालय में विषय वस्तु का चयन और व्यवस्था लक्ष्य और उद्देश्य के आधार पर होता है। विषय वस्तु को ऐसे रूप में प्रस्तुत किया जाता है कि विद्यार्थियों को उनकी रूचि, शैक्षिक स्तर, अधिगम शैली और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुसार ज्ञान प्राप्त हो सके।

51. ब्लूम की व्यवस्था

(a) वर्गीकरण व्यवस्था है (b) सीमांकन व्यवस्था है
(c) प्रत्यायोजन व्यवस्था है (d) केन्द्रित व्यवस्था है

Bihar STET 09/09/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : ब्लूम की व्यवस्था वर्गीकरण व्यवस्था है, जिसमें संज्ञानात्मक क्षेत्र के उद्देश्यों को छह श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है- ज्ञान, समझ, अनुप्रयोग, विश्लेषण, संश्लेषण, मूल्यांकन इसलिए ब्लूम की व्यवस्था एक वर्गीकरण व्यवस्था है।

52. शिक्षण के स्तम्भ हैं-

(a) पाठ्यक्रम (b) अनुदेश
(c) आंकलन (d) उपरोक्त सभी

Bihar STET 09/09/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : रायबर्न के अनुसार शिक्षण के तीन स्तम्भ हैं - शिक्षक शिक्षार्थी और पाठ्यक्रम इस प्रकार शिक्षण स्तम्भ का अर्थ है शिक्षण की आधारभूत घटना या तत्व जिसमें पाठ्यक्रम, अनुदेश और आंकलन तीनों शामिल है।

53. शिक्षण का परिणाम है

(a) व्यवहार परिवर्त्तन (b) आत्म सम्मान
(c) आत्मविश्वास (d) आत्म मूल्य

Bihar STET 09/09/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : शिक्षण का परिणाम व्यवहार परिवर्तन है। शिक्षण से व्यक्ति में ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण में परिवर्तन होता है। यह परिवर्तन व्यक्ति के व्यवहार में परिलक्षित होता है। इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर होगा।

54. जीवित प्राणी की प्राकृतिक क्रिया है-

(a) अधिगम (b) शिक्षण
(c) अधिगम एवं शिक्षण (d) इनमें से कोई नहीं

Bihar STET 10/09/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : जीवित प्राणी की प्राकृतिक क्रिया अधिगम है। सीखना या अधिगम एक व्यापक, सतत् एवं जीवनपर्यन्त चलने वाली महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मनुष्य जन्म के पश्चात ही सीखना प्रारम्भ कर देता है और जीवन भर कुछ न कुछ सीखता रहता है। अतः अधिगम जीवित प्राणी की प्राकृतिक क्रिया है।

55. शिक्षा देने का अर्थ है

(a) निर्देश देना (b) निर्माण करना
(c) बनाना (d) तैयार करना

Bihar STET 10/09/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : शिक्षा का अर्थ है निर्देश देना, जिसका उद्देश्य है बालक की जन्मजात शक्तियों का सर्वांगीण विकास करना है। शिक्षा विकास का वह क्रम है जो बाल्यावस्था से परिपक्वावस्था तक निरन्तर चलता रहता है। यह व्यवस्थित प्रक्रिया है जिसके माध्यम से एक बच्चा या वयस्क ज्ञान, अनुभव, कौशल और अच्छा दृष्टिकोण प्राप्त करता है।

56. इनमें से कौन शिक्षण अधिगम में कोई भूमिका अदा नहीं करता है?

(a) पारंपरिक वर्ग कक्षा (b) शिक्षकों का अनुभव
(c) अधिगम अनुभव (d) जातिगत अनुभव

Bihar STET 13/09/2023 (Shift-I)
Bihar STET 14/09/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : पारम्परिक वर्ग कक्षा, शिक्षकों के अनुभव, अधिगम अनुभव शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। सीखना एक साथ नहीं होता न ही एकाएक होता है यह तो पूर्व ज्ञान की सहायता से निर्मित व विकसित होता है। प्रतिदिन प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में नए अनुभवों को एकत्र करता रहता है, ये जीवन अनुभव, व्यक्ति के व्यवहार में वृद्धि तथा संशोधन करते है। व्यक्ति अपने अनुभवों के सहायता से भी काफी कुछ सीखता है। जातिगत अनुभव एक ऐसा अनुभव है जो शिक्षण-अधिगम में कोई भूमिका अदा नहीं करता है।

57. शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में शिक्षक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है-

(a) सहायक के रूप में (b) सलाहकार के रूप में
(c) सहभागी के रूप में (d) इनमें से कोई नहीं

Bihar STET 13/09/2023 (Shift-I)
Bihar STET 14/09/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में शिक्षक एक सहायक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। एक शिक्षक की मुख्य भूमिका बच्चों की सहायता करना है। बच्चों को सक्रिय शिक्षार्थी मानते हुए, शिक्षक को न केवल ज्ञान प्रदान करना है, बल्कि मौजूदा और नए अधिग्रहीत ज्ञान को प्राप्त करने और पुनर्गठित करने के लिए शिक्षार्थी की सहायता करना है ताकि ज्ञान का पुनःप्राप्ति आसान हो जाए।

58. निम्नलिखित में से कौन-सी प्रक्रिया अधिगम के दौरान योगदान नहीं देती है?

(a) गैर-प्रासंगीकरण (b) संगठन
(c) वर्गीकरण (d) वैचारिकता

Bihar STET 13/09/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : गैर प्रासंगीकरण प्रक्रिया अधिगम के दौरान योगदान नहीं देती है। गैर प्रासंगीकरण वह प्रक्रिया है जिसमें अधिगम को संदर्भ या प्रसंग से अलग माना जाता है। इसीलिए यह अर्थपूर्ण में मदद नहीं करता है।

59. निम्नलिखित में से कौन-सा स्थूल गतिक कौशल है?

(a) एक कागज पर एक बड़े आयत को रूपरेखा के अनुसार काटना
(b) बुनाई
(c) तैरना
(d) एक कागज पर वृत को रूपरेखा के अनुसार काटना

Bihar STET 13/09/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : 'तैरना' एक प्रकार का स्थूल गतिक कौशल है। स्थूल गतिक कौशल वे है, जिन्हें चलने, संतुलन बनाने, दौड़ने और घसीटकर चलने जैसे कार्यों को करने के लिए बड़े मांसपेशी समूहों के उपयोग की आवश्यकता होती है। इसीलिए तैरना भी स्थूल गतिक कौशल के अन्तर्गत आता है।

60. अधिगम एक निरंतर प्रक्रिया है-

(a) किशोरावस्था से मृत्यु तक
(b) बाल्यावस्था से वृद्धावस्था तक
(c) शैशव से व्यस्क तक
(d) पालने से कब्र तक

Bihar STET 13/09/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : अधिगम वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यवहार को नई और अलग-अलग क्षमताओं के अलावा या उन क्षमताओं के विस्तार और संवर्द्धन द्वारा संशोधित किया जाता है जो किसी व्यक्ति के पास पहले से ही है। अधिगम एक पालने से कब्र तक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। यह व्यक्तिगत एवं पर्यावरणीय कारकों पर आधारित होता है। अधिगम प्रायः चक्रीय रूप से होता है।

61. भारतीय समाज की विशेषता है-

(a) रूढ़िवादी (b) अवैज्ञानिक
(c) खुला (d) स्तरीकृत

Bihar STET 13/09/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : भारतीय समाज को प्रायः उसकी ऐतिहासिक सामाजिक संरचना के कारण स्तरीकृत माना जाता हैं।
यह स्तरीकृत जाति व्यवस्था में स्पष्ट है, जिसका सदियों से सामाजिक संगठन पर महत्वपूर्ण प्रभाव रहा है।
स्तरीकृत सामाजिक, आर्थिक और प्रायः वंशानुगत कारकों पर आधारित होता है, जो समाज के अंदर अलग-अलग परतें या स्तर बनाता है।

62. जीन पियाजे के अनुसार, पूर्व-संचालन विचार की मुख्य विशेषताओं में से एक..........है जो किसी स्थिति के एक पहलू पर ध्यान केन्द्रित करने और दूसरों की उपेक्षा करने की प्रवृत्ति को संदर्भित करता है।

(a) पारगमन (b) कारणता
(c) केन्द्रीकरण (d) विकेन्द्रीकरण

Bihar STET 13/09/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : जीन पियाजे के अनुसार पूर्व परिचालन अवस्था की मुख्य विशेषताओं में से एक स्थिति जिसे केन्द्रीकरण या (Centration) के नाम से जाना जाता है द्वारा ध्यान केन्द्रित करने और दूसरों की उपेक्षा करने की प्रवृत्ति को संदर्भित करती है। इसमें बच्चे एक समय में केवल एक स्थिति के एक ही पहलू पर अपना ध्यान केन्द्रित कर सकते है और अपने चिंतन की दिशा को पलट नहीं सकते है।

63. प्रारंभिक बचपन में, विकास.........और सोच............ होती है, जबकि मध्य बचपन में, विकास.............और सोच है.............

(a) धीमा, तार्किक, स्थिर है, अहंकेंद्रित
(b) धीमा, कुछ हद तक अहंकेंद्रित, स्थिर है, तार्किक
(c) स्थिर हैं, कुछ हद तक अहंकेंद्रित, धीमा, तार्किक
(d) स्थिर है, तार्किक, धीमा, अहंकारी

Bihar STET 13/09/2023 (Shift-I)

Ans. (b) : प्रारम्भिक बाल्यावस्था में वृद्धि धीमी हो जाती है और सोच कुछ हद तक आत्मकेन्द्रित हो जाती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बच्चे अभी भी अपने आस पास की दुनिया और उसमें अपने स्थान के बारे में सीख रहे होते है। उन्हें दूसरो के दृष्टिकोण को समझने में कठिनाई हो सकती है और वे अपनी जरूरतों और इच्छाओं पर अधिक ध्यान केन्द्रित कर सकते है।
वहीं मध्य बाल्यावस्था में वृद्धि स्थिर होती है और सोच अधिक तार्किक हो जाती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बच्चे अधिक अनुभव और ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं, और उनमें अमूर्त रूप से सोचने की क्षमता विकसित होने लगती है।

64. इनमें से एक शिक्षण की त्रिध्रुवीय प्रक्रिया का केन्द्र बिन्दु नहीं है-

(a) शिक्षण विधियाँ (b) शिक्षक
(c) छात्र (d) सामग्री

Bihar STET 13/09/2023 (Shift-I)
Bihar STST 09/09/2020 (Shift-II)

Ans. (a) : 'शिक्षण विधियाँ' शिक्षण की त्रिध्रुवीय प्रक्रिया का केन्द्र बिंदु नहीं है। 'त्रिध्रुवीय या तीन-आयामी' को जॉन डीवी द्वारा प्रतिपादित किया गया है। इसमें तीन चीजें शामिल होती है- शिक्षक, छात्र एवं सामग्री (कन्टेंट)।

65. क्रिया आधारित अधिगम है

(a) श्रुतलेखन से (b) अभ्यास से
(c) कर के (d) स्मरण से

Bihar STET 14/09/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : क्रिया-आधारित अधिगम में शिक्षार्थी सक्रिय रूप से अपने व्यक्तिगत अनुभवों के आधार पर ज्ञान के निर्माण और पुनः निर्माण करते है। इस अधिगम को "कर के सीखने" के रूप में जाना जाता है। यह बालक को स्वयं ज्ञान और अनुभव प्राप्ति का अवसर प्रदान करती है। इस विधि के द्वारा बालक क्रियाशील होकर अधिगम प्रक्रिया में रूचिपूर्ण सहभागिता करता है।

66. अधिगम प्रक्रिया में शिक्षार्थी है

(a) स्वतंत्र चर (b) आश्रित चर
(c) अंतः आश्रित चर (d) इनमें से कोई नहीं

Bihar STET 14/09/2023 (Shift-I)

Ans. (b) : अधिगम प्रक्रिया में शिक्षार्थी आश्रित चर होता है। चर कई प्रकार के होते है जो स्वतंत्र चर, आश्रित चर, मध्यस्थ चर है। शिक्षण को प्रभावित करने वाले कई अन्य कारक होते है जैसे कि उनकी शिक्षण शैली या अभिभावकों की भागीदारी, पाठ्यक्रम को मध्यस्थ चर के रूप में जाना जाता है।

67. दर्शनशास्त्र का उपयोग शिक्षा में है

(a) विषयवस्तु चयन में (b) विधि चयन में
(c) उद्देश्य चयन में (d) मूल्यांकन प्रक्रिया में

Bihar STET 14/09/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : दर्शनशास्त्र का ज्ञान एक आधारभूत तत्व है जो न केवल शिक्षा को समग्र रूप से समझता है बल्कि शिक्षा विधियों तथा इसके प्रभावों एवं उपयोग का निर्णय या चयन करता है। यह शिक्षा की प्रकृति के साथ-साथ उसके उद्देश्यों और समस्याओं की जाँच करती है। अतः विकल्प (c) सही है।

68. अन्तःक्रिया विश्लेषण की प्रक्रिया है-

(a) अंकन प्रक्रिया (b) अंकन अर्थापन प्रक्रिया
(c) A और B दोनों (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Bihar STET 15/09/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : अन्तःक्रिया विश्लेषण एक विधि है जिसका उपयोग शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को विश्लेषित और सुधारने के लिए किया जाता है।

* अंकन प्रक्रिया में शिक्षक और छात्र के बीच होने वाले शाब्दिक और अशाब्दिक व्यवहारों का निरीक्षण किया जाता है।
* अंकन अर्थापन प्रक्रिया में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का विश्लेषण और मूल्यांकन किया जाता है। अतः अन्तःक्रिया विश्लेषण की प्रक्रिया में अंकन प्रक्रिया और अंकन अर्थापन प्रक्रिया दोनों शामिल होती है।

69. अधिगम प्राकृतिक क्रिया है?

(a) शिक्षार्थी का (b) शिक्षक का
(c) व्यक्ति का (d) जीवित प्राणी का

Bihar STET 15/09/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : अधिगम एक सतत् और जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपने अनुभवों से सीखता है और अपने व्यवहार में परिवर्तन करता है अतः अधिगम एक प्राकृतिक क्रिया है जो जीवित प्राणियों में होती है।

70. अधिगम प्रक्रिया का अतःक्रिया घटक है?

(a) उच्च स्तर सोच (b) ध्यान
(c) स्मृति (d) ये सभी

Bihar STET 15/09/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : अधिगम या सीखने की प्रक्रिया में उच्च स्तर सोच, ध्यान और स्मृति शामिल होते है। यह प्रक्रिया व्यक्ति के अनुभवों और प्रशिक्षण के द्वारा व्यवहार में स्थायी या अस्थायी परिवर्तन को दर्शाती है। इसलिए इन तीनों घटकों को मिलाकर ही अधिगम की प्रक्रिया पूरी होती है।

71. इनमें से एक सामाजिक कौशल सहयोगी कार्ययोजना से विकसित नहीं होती -

(a) सुनना (b) प्रतिस्पर्धा
(c) सहयोग (d) प्रोत्साहन

Bihar STET 18/09/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में शिक्षा का वास्तविक लक्ष्य सामाजिक कौशल और चारित्रिक विकास होता है। एक सामाजिक कौशल सहयोगी कार्ययोजना से प्रोत्साहन विकसित नहीं होती है जबकि सुनना, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, सहयोग, समाधान, प्रतिस्पर्धा आदि गुण विकसित होती है।

72. The most essential characteristics of co-operative learning is :-
सहकारी अधिगम के सर्वाधिक महत्वपूर्ण गुण हैः

(a) Effective learning /प्रभावी अधिगम
(b) Positive Interdependence/ सकारात्मक अन्तः निर्भरता
(c) Cooperation /सहयोग
(d) Division of labour /श्रम का विभाजन

Bihar STET 09/09/2020 (Shift-III)

Ans. (c) : सहकारी अधिगम एक ऐसी अधिगम प्रक्रिया है जिसमें एक जैसी योग्यता के बालक समूह बनाकर एक ही उद्देश्य को पाने का प्रयास करते हैं। ऐसे में वे एक-दूसरे का सहयोग करते है। सहयोग सहकारी अधिगम का सर्वाधिक महत्वपूर्ण विशेषता है। सहकारी शिक्षा बालकों को शैक्षिक योग्यता एवं निपुणता प्राप्त करने में मदद करती है। सहकारी शिक्षण गतिविधियाँ इंटरैक्शन को बढ़ावा देती है जो विषय सामग्री को एवं अवधारणाओं के सीखने के विकास में मदद करती है।

73. The most appropriate meaning of 'Learning is':-/ 'सीखने' का उपयुक्त अर्थ हैः-

(a) Inculcation of knowledge/ज्ञान का समावेश
(b) Modification of behavior /व्यवहार का परिमार्जन
(c) Personal adjustment/वैयक्तिक समायोजन
(d) Acquisition of skills/कौशलों का अधिग्रहण

Bihar STET 29/05/2024 (Shift-I)
Bihar STET 09/09/2020 (Shift-III)
Bihar STET 10/09/2020 (Shift-II)

Ans. (b) : 'सीखने' का उपयुक्त अर्थ है व्यवहार का परिमार्जन क्योंकि अधिगम एक व्यक्ति के व्यवहार और व्यक्तित्व को संशोधित करती है। अधिगम एक व्यापक प्रक्रिया है जो अभ्यास और अनुभव के परिणामस्वरूप व्यवहार, ज्ञान और कौशल में परिवर्तन को संदर्भित करता है। प्रतिदिन प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में नए अनुभवों को एकत्र करता रहता है, ये नवीन अनुभव, व्यक्ति के व्यवहार में वृद्धि तथा संशोधन करते है।

74. Teaching Learning Process is fundamentally completed in :/मौलिक रूप से शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को इनमें पूरा किया जाता है?

(a) Class-room/वर्ग-कक्षा (b) School /विद्यालय
(c) Society/समाज (d) Home/घर

Bihar STET 09/09/2020 (Shift-III)

Ans. (a) : सीखना चारो ओर के परिवेश से अनुकूलन में सहायता करती है। मौलिक रूप से शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को कक्षा में पूरा किया जाता है। प्रत्येक बच्चा स्वाभाविक रूप से सीखने के लिए अभिप्रेरित होता है।

75. 'Learning by doing is useful, because ....'
'करके सीखना' उपयोगी है, क्योंकि....

(a) Children understand better by doing
बच्चे करके अच्छे से समझते हैं
(b) It is more interesting/यह अधिक रूचिकर है
(c) Children like self activity
बच्चे क्रियाशीलता पसन्द करते हैं।
(d) This helps to keep children busy
इनसे बच्चों को व्यस्त रखने में मदद मिलती है।

Bihar STET 09/09/2020 (Shift-III)

Ans. (a) : 'करके सीखना' उपयोगी है क्योंकि बच्चे करके अच्छे से समझते है। करके सीखना वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा लोग नए अनुभव और कौशल सीखने के लिए अपने पूर्व ज्ञान, कौशल, क्षमताओं और अनुभवों को समझते है।

76. The speed of learning depends on-
सीखने की गति निर्भर करती है-

(a) Learner's interest/अध्येता की रूचिपर
(b) Curiosity by the learner
अध्येता द्वारा विषय जिज्ञासा
(c) Learner's motivation /अध्येता की प्रेरणा पर
(d) All of the above/उपर्युक्त सभी पर

Bihar STET 09/09/2020 (Shift-III)

Ans. (d) : सीखने की गति छात्रों में भिन्न होती है। सीखने की गति विभिन्न प्रकार के व्यक्तिगत और पर्यावरणीय कारको से प्रभावित होती है। सीखने की गति निर्भर करती है-
* अध्येता की रूचिपर
* अध्येता द्वारा विषय जिज्ञासा
* अध्येता की प्रेरणा पर
अतः उपरोक्त सभी पर सीखने की गति निर्भर करती है।

77. In Vygotsky's theory, which aspect of development gets neglected ?
वायगोत्सकी के सिद्धांत में, विकास के किस पहलू की उपेक्षा की जाती है?

(a) Social/सामाजिक (b) Biological/जैविक
(c) Linguistic/भाषाई (d) Cultural/सांस्कृतिक

Bihar STET 09/09/2020 (Shift-I)

Ans. (b) : सामाजिक सांस्कृतिक सिद्धान्त सोवियत मनोवैज्ञानिक लेव वायगोत्स्की द्वारा प्रतिपादित किया गया है। इस सिद्धान्त के अनुसार सामाजिक अन्तःक्रिया एक शिक्षार्थी की संज्ञानात्मक क्षमता के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
वायगोत्स्की का मानना है कि विकास प्रक्रिया में सामाजिक सांस्कृतिक और भाषायी प्रक्रियाएँ महत्त्वपूर्ण है जबकि जैविक प्राक्रिया का प्रभाव बहुत निम्न (उपेक्षित) होता है।

78. Which option is false in the context of 'learning'?
'सीखना' के संदर्भ में कौन-सा विकल्प असत्य है ?

(a) Learning is the change in behaviour.
'सीखना' व्यवहार में परिवर्तन को कहा जाता है।
(b) The change in behavior occurs as a function of practice or experience./सीखने के कारण व्यवहार में परिवर्तन अभ्यास या अनुभूति के फलस्वरूप होता है।
(c) There is a relatively permanent change in behavior in learning/सीखने में व्यवहार में अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन होता है।
(d) None of these./इनमें से कोई नहीं

Bihar STET 09/09/2020 (Shift-I)

Ans. (d) : सीखना या अधिगम, जीवन पर्यंत चलने वाली एक सार्वभौमिक क्रिया है। यह हमारे ज्ञान में निरन्तर वृद्धि करती रहती है। मनुष्य शैशवकाल से मृत्यु तक जाने-अनजाने, औपचारिक-अनौपचारिक साधनों से नई-नई बातें सीखने की प्रवृत्ति रखता है।
सीखने की प्रमुख परिभाषाएँ-
स्किनर- 'सीखना, व्यवहार में उत्तरोत्तर सामंजस्य की प्रक्रिया है।'
वुडवर्थ- 'नवीन ज्ञान और नवीन प्रतिक्रियाओं को प्राप्त करने की प्रक्रिया सीखने की प्रक्रिया है।'
क्रो व क्रो- 'सीखना- आदतों, ज्ञान और अभिवृत्तियों का अर्जन है।'

79. 'Individual difference's in learning process are given the least importance in :-
निम्न में से अधिगम प्रक्रिया में ''वैयक्तिक मतभेद'' को कम से कम महत्व दिया जाता है ?

(a) Naturalism/प्रकृतिवाद
(b) Realism/यथार्थवाद
(c) Idealism/आदर्शवाद
(d) Pragmatism/व्यवहारवाद

Bihar STET 10/09/2020 (Shift-II)

Ans. (c) : आदर्शवाद (Idealism) में सीखने की प्रक्रिया में व्यक्तिगत भिन्नताओं (Individual difference) को सबसे कम महत्व दिया जाता है। आदर्शवाद को उस दर्शन के रूप में पहचाना जाता है जो यह दावा करता है कि भौतिक चीजें काल्पनिक हैं और वे स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में नहीं हैं बल्कि केवल मन में निर्माण के रूप में मौजूद हैं। आदर्शवाद का लक्ष्य सत्य, सौन्दर्य और अच्छाई का एहसास करना है। आदर्शवाद का मानना है **कि समाज में व्यक्तियों के बीच कोई अन्तर नहीं है, वे सभी एक ही हैं।**

80. Effective learning is indicated by :-
प्रभावी शिक्षण प्रदर्शित होता है :-

(a) Ability to recall and reproduced
स्मरण और पुनरूत्पादित करने की योग्यता द्वारा
(b) Ability to give arguments
तर्क करने की योजना द्वारा
(c) Ability to solve related problems
संबंधित समस्या का समाधान करने की योग्यता द्वारा
(d) Ability to score high in the examination
परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त करने की योग्यता द्वारा

Bihar STET 10/09/2020 (Shift-II)

Ans. (c) : प्रभावी शिक्षण **सम्बन्धित समस्या का समाधान करने की योग्यता** द्वारा प्रदर्शित होता है। प्रभावी शिक्षण वह ज्ञान, रणनीतियाँ, प्रक्रियाएँ और व्यवहार हैं जो छात्रों को अच्छे परिणाम देते हैं। प्रभावी शिक्षक अपने छात्रों पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं और सीखने में सुधार के लिए अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करते हैं। ये अच्छे परिणाम अक्सर ऐसे होते हैं जिन्हें आसानी से मापा जा सकता है। प्रभावी शिक्षण को स्कूल सुधार में प्रमुख चालकों में से एक के रूप में लगातार पहचाना जाता है। जैसे कि लोकप्रिय कहावत है, एक स्कूल हमेशा उतना ही अच्छा होता है, जितने उसके शिक्षक।

81. **According to the 'Mahayana'**
'महायान' के अनुसार
(a) Gautam Budha is a great man, not god.
गौतमबुद्ध महापुरूष है, ईश्वर नहीं
(b) It is difficult for most humans to find the 'Nirvana Marg' alone./अधिकतर मनुष्यों के लिए निर्वाण-मार्ग अकेले ढूँढ़ना मुश्किल है।
(c) Every one has to find the 'Nirvana Marg' alone/हर मनुष्य को निर्वाण-मार्ग अकेले ही ढूँढना होता है।
(d) None of these./इनमें से कोई नहीं

Bihar STET 10/09/2020 (Shift-I)

Ans. (b) : 'महायान' के अनुसार अधिकतर मनुष्यों के लिए निर्वाण मार्ग अकेले ढूँढ़ना मुश्किल है। महायान वर्तमान काल में बौद्ध धर्म की दो प्रमुख शाखाओं में से एक है। महायान बौद्ध दर्शन अद्वितीय सिद्धांतों को भी बढ़ावा देता है जैसे मध्यमक शून्यतार का सिद्धांत, विज्ञानवाद सिद्धांत और बुद्ध प्रकृति शिक्षण।

82. **'Epistemology' means –**
ज्ञान-मीमांसा का अर्थ है–
(a) Study of the human nature
मानव की प्रकृति का अध्ययन
(b) Study of the nature of values
मूल्यों की प्रकृति का अध्ययन
(c) Study of the nature of knowledge
ज्ञान की प्रकृति का अध्ययन
(d) Study of the child development
बाल-विकास का अध्ययन

Bihar STET 10/09/2020 (Shift-I)

Ans. (c) : ज्ञान मीमांसा का अर्थ है ज्ञान की प्रकृति का अध्ययन। ज्ञान-मीमांसा मानव की प्रकृति उत्पत्ति और सीमाओं का दार्शनिक अध्ययन है। ज्ञान मीमांसा दर्शनशास्त्र की प्राथमिक शाखाओं में से एक है। यह इस बात का अध्ययन है कि ज्ञान क्या है और मनुष्य वास्तविकता का ज्ञान कैसे प्राप्त कर सकते है।

83. **Every learner is unique means that :**
'प्रत्येक शिक्षार्थी अपने आप में अनोखा है' का अर्थ है:
(a) No two learners are alike in their abilities, interests and talents./कोई भी दो शिक्षार्थी अपनी योग्यता, रूचि और गुणों में एक जैसे नहीं है।
(b) Learners do not have any common qualities, nor do they share common goals./सभी शिक्षार्थियों में न ही कोई समान गुण होते है, न ही वे समान लक्ष्य साझा करते है।
(c) A common curriculum for all learners is not possible./सभी शिक्षार्थियों के लिए एक समान पाठ्यचर्या संभव नहीं है
(d) It is impossible to develop the potentials of learners in a heterogenous class./एक भिन्नता वाली कक्षा में शिक्षार्थियों की प्रतिभाओं का विकास असंभव है।

Bihar STET 11/09/2020 (Shift-I)

Ans. (a): 'प्रत्येक शिक्षार्थी अपने आप में अनोखा है' इसका अर्थ है कि कोई भी दो शिक्षार्थी अपनी योग्यता, रूचि, और गुणों में एक जैसे नहीं हैं। प्रत्येक बच्चे की अपनी व्यक्तिगत सीखने की जरूरते और शैलियाँ होती है इसलिए कोई भी विधि सभी पर लागू नहीं होगी।

84. **It can safely be assumed that a student understands a principle when He/She can :**
यह स्पष्ट रूप में माना जा सकता है कि शिक्षार्थी नियम समझता/समझती है यदि वहः
(a) Give more examples of it.
इसके और उदाहरण दे पाए।
(b) Use it in solving problems to which it applies./जिन समस्याओं के समाधान में इसका उपयोग हो सकता है उसमें उपयोग करें।
(c) Recognise it again when He/She encounters it again./इसे पुनः पहचान पाये यदि वह फिर से सामना करता है।
(d) Recall the principles as and when asked.
जब पूछा जाय इन नियमों को पुनः याद कर पाये।

Bihar STET 11/09/2020 (Shift-I)

Ans. (b) : यह स्पष्ट रूप में माना जा सकता है कि शिक्षार्थी नियम समझता/समझती है यदि वह जिन समस्याओं के समाधान में इसका उपयोग हो सकता है उसमें उपयोग करें। इसके प्रयोग से उसका ज्ञान स्पष्ट हो जाता है।

85. **Which one of the following statements is true about "Learning"?/अधिगम के विषय में निम्न में से कौन-सा कथन सही है?**
(a) Errors made by children indicate that no learning has taken place./बच्चों द्वारा गलतियां करना दर्शाता है कि कोई अधिगम नहीं हुआ है।
(b) Learning is effective in an environment that is emotionally positive and satisfying for learners./अधिगम उसी वातावरण में प्रभावशाली होता है जो शिक्षार्थियों के लिए संवेगात्मक सकारात्मक और उन्हें संतुष्ट करने वाला है।
(c) Learning is not affected by emotional factors at any stage of learning./अधिगम के किसी भी स्तर पर संवेगात्मक कारकों से प्रभावित नहीं होता।
(d) Learning is fundamentally a mental activity.
अधिगम मूलभूत रूप से एक मानसिक गतिविधि है।

Bihar STET 11/09/2020 (Shift-I)

Ans. (b) : अधिगम एक सतत प्रक्रिया है, जो प्रायः विद्यालय से जुड़ी होती है। लेकिन यह व्यक्तियों और उस वातावरण के बीच परस्पर क्रिया का परिणाम है जिसमें वे कार्य करते है। अधिगम उसी वातावरण में प्रभावशाली होता है जो शिक्षार्थियों के लिए संवेगात्मक सकारात्मक और संतुष्ट करने वाला है। इस प्रकार अधिगम एक गतिशील प्रक्रिया है, जो जीवनपर्यन्त चलती रहती है। अधिगम के लिए परिवेश छात्र की आवश्यकताओं, रूचियों, भावनाओं आदि के अनुसार बनाया गया है ताकि यह बच्चों के संज्ञानात्मक और पहलुओं को प्रभावित करें।

86. **The idea of basic education was propounded by**
'बेसिक शिक्षा' की धारणा का प्रतिपादन किया गया :
(a) Dr. Zakir Hussain/डॉ. जाकिर हुसैन द्वारा।
(b) Dr. Rajendra Prasad/डॉ. राजेन्द्र प्रसाद द्वारा।
(c) Mahatma Gandhi/महात्मा गाँधी द्वारा।
(d) Rabindra Nath Tagore/रविन्द्रनाथ टैगौर द्वारा।

Bihar STET 11/09/2020 (Shift-I)

Ans. (c) : 'बेसिक शिक्षा' की धारणा का प्रतिपादन महात्मा गाँधी द्वारा किया गया। महात्मा गाँधी ने वर्ष 1946 में अपने आश्रम में बुनियादी शिक्षा की शुरूआत की थी। यह एक ऐसा सिद्धान्त है जो बताता है कि ज्ञान और काम अलग-अलग नहीं है। इस प्रकार बुनियादी शिक्षा प्राथमिक स्तर पर शिक्षा या शिक्षा का वह आधार है जिस पर उच्च शिक्षा के ढाँचे का भवन बनाया जा सकता है।
बुनियादी शिक्षा के स्तर-
* पूर्व-बुनियादी (6 साल तक)
* बुनियादी (7 – 14 वर्ष तक)
* उत्तर-बुनियादी (15 – 18 वर्ष तक)
* विश्वविद्यालय की शिक्षा
* सामाजिक और वयस्क शिक्षा

87. Individual attention is important in teaching learning process because:/शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में व्यक्तिगत ध्यान महत्त्वपूर्ण है क्योंकि :
(a) Learners always learn better in group.
शिक्षार्थी समूह में हमेशा अच्छा सीखता है।
(b) Teacher training programmes prescribed it.
अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा ऐसा निर्धारित किया गया है।
(c) It offers better opportunities to teachers to discipline each learner./इससे अध्यापकों द्वारा प्रत्येक शिक्षार्थी को अनुशासित करने का अच्छे मौके प्रदान होते है।
(d) Children develop at different rates and learn differently./बालकों का विकास भिन्न-भिन्न दरों से होता है और भिन्न-भिन्न प्रकार से सीखते है।

Bihar STET 11/09/2020 (Shift-I)

Ans. (d) : शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में व्यक्तिगत ध्यान महत्वपूर्ण है क्योंकि बालकों का विकास भिन्न-भिन्न दरों से होता है और भिन्न-भिन्न प्रकार से सीखते है। व्यक्तिगत ध्यान हमे प्रत्येक बच्चे की सीखने की प्रक्रिया और क्षमताओं में खामियों और कमियों का पता लगाने में मदद करता है। व्यक्तिगत भेद होने से बालक का विकास एक सी विधियों से न करके अलग-अलग विधियां प्रयोग में लायी जाती है। एक शिक्षक को व्यक्तिगत भिन्नताओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए।

88. Which of the following behaviours characterize the 'concrete operational stage' as proposed by Jean Piaget?/निम्नलिखित व्यवहारों में से कौन-सा जीन पियाजे के द्वारा प्रस्तावित 'मूर्त संक्रियात्मक अवस्था' को विशेषित करता है?
(a) Hypothetico-deduction reasoning; propositional thought
परिकल्पित-निगमनात्मक तर्क; साध्यात्मक विचार
(b) Conservation; class inclusion
संरक्षण; कक्षा समावेशन
(c) Deferred Iimitation; object permanence
आस्थगित अनुकरण; पदार्थ स्थायित्व
(d) Make-believe play; irreversibility of thought
प्रतीकात्मक खेल; विचारों की अनुत्क्रमणीयता

Bihar STET 11/09/2020 (Shift-I)

Ans. (b) : संरक्षण, कक्षा समावेशन जीन पियाजे के द्वारा प्रस्तावित 'मूर्त संक्रियात्मक अवस्था' को विशेषित करता है। 'मूर्त संक्रियात्मक अवस्था' लगभग 7 से 11 साल की उम्र तक रहती है जो बाल विकास के उत्तर बाल्यावस्था चरण को संदर्भित करती है। इस चरण में, बच्चे वस्तुओ को समूहो और उपसमूहों में वर्गीकृत कर सकते है तथा संख्या, क्षेत्रफल और आयतन के संरक्षण की क्षमता विकसित करते है।

89. Which of the following is NOT a principle of development?/निम्नलिखित में से कौन-सा विकास का सिद्धान्त नहीं है?
(a) Development is lifelong/विकास जीवनपर्यन्त होता है।
(b) Development is modifiable/विकास परिवर्त्य होता है।
(c) Development is influenced by both heredity and environment/विकास आनुवंशिकता एवं पर्यावरण दोनों के द्वारा प्रभावित होता है।
(d) Development is universal and cultural contents do not influence it./विकास सार्वभौमिक है तथा सांस्कृतिक संदर्भ इसे प्रभावित नहीं करते।

Bihar STET 11/09/2020 (Shift-I)

Ans. (d) : विकास के सिद्धान्त निम्नलिखित है-
* विकास जीवनपर्यन्त होता है।
* विकास परिवर्तनीय है।
* विकास आनुवंशिकता और पर्यावरण दोनों के द्वारा प्रभावित होता है।
* सभी चरणों में विकास एक समान नहीं रहता।
* विकास दर व्यक्ति में अलग-अलग होती है।
* विकास अनुक्रमिक और अनुमानित है।
* विकास सामान्य से विशिष्ट कि ओर बढ़ता है।
अतः विकल्प (d) का संबंध विकास के सिद्धान्त से नही है।

90. Which of the following theorists while viewing children as active seekers of knowledge emphasized the influence of social and cultural contents on their thinking?/निम्नलिखित में से किस मनोवैज्ञानिक ने बच्चों के ज्ञान के सक्रिय जिज्ञासु के रूप में देखते हुए उनके चिंतन पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक वस्तुओं के प्रभाव को महत्त्व दिया?
(a) John B. Watson/जॉन बी. वाट्सन
(b) Lev Vygotsky/लेव वायगोट्स्की
(c) Jean Piaget/जीन पियाजे
(d) Lawrence Kohlberg/लॉरेंस कोलबर्ग

Bihar STET 11/09/2020 (Shift-I)

Ans. (b) : लेव वायगोत्सकी ने बच्चों के ज्ञान के सक्रिय जिज्ञासु के रूप में देखते हुए उनके चिंतन पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक वस्तुओं के प्रभाव को महत्व दिया। वायगोत्सकी का मानना था कि बच्चे ज्ञान के सक्रिय साधक है, उन्होंने अपनी सोच पर सामाजिक और सांस्कृतिक विषयवस्तु के प्रभाव को महत्व दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों के संज्ञानात्मक विकास को अन्य लोगों के साथ सामाजिक परस्पर क्रिया के माध्यम से बढ़ाया जाता है, विशेष रूप से वे जो अधिक कुशल है।

91. Which of the following statement about learning is correct from a constructivist perspective?/ संरचनावादी सिद्धान्तों के अनुसार अधिगम के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही है?